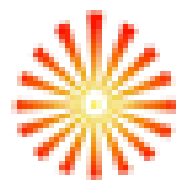


# आओ चलें सम्पूर्णता की ओर



○ 24 / 11 / 14 की मुरली से चार्ट ○

⇒ TOTAL MARKS:- 100 ⇐

---

✽ शिवभगवानुवाच :-

➤ \_ ➤ रोज रात को सोने से पहले बापदादा को पोतामेल सच्ची दिल का दे दिया तो धरमराजपुरी में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी ।

[[1]] स्वमान का अभ्यास (Marks:-10)

➤➤ मैं सम्पूर्ण और संपन्न आत्मा हूँ ।

[[2]] गुण / धारणा पर अटेंशन (Marks:-10)

➤➤ तूफान को तोहफा (गिफ्ट) समझ सहज क्रॉस करना

[[3]] बाबा से संबंध का अनुभव (Marks:-10)

➤➤ टीचर

[[4]] होमवर्क (Marks:- 7\*5=35)

||✓|| "यह °ड्रामा हुबहू रिपीट° होता है" - यह स्मृति में रहा ?

||✓|| अविनाशी °ज्ञान रत्नों का धंधा° कर आप समान बनाने की सेवा की ?

||✓|| °स्वचिन्तन° में रह अल्बेलेपन को समाप्त किया ?

||✓|| विघनो से न घबरा °अनुभवी° बन आगे बढ़ते चले ?

||✓|| "माया कभी °कला रहित न बना दे°" - यह ध्यान रहा ?

||✓|| अपने °आसुरी गुणों की जांच° की ?

||X|| कोई ऐसा धंधा तो नहीं किया जिससे °आसुरी गुणों की उत्पत्ति° हो ?

✽ अव्यक्त बापदादा (05/11/2014) :-

➤ \_ ➤ बापदादा चैतन्य दीपकों को देख बहुत खुश हो रहे हैं वाह दीपक वाह! एक-एक दीपक अपनी अपनी रोशनी क्या रौनक दिखा रहे हैं । हर एक की सूरत अपनी- अपनी जगी हुई सूरत से अपना परिचय दे रहे हैं । तो आज के दिन दीपराज सच्चे दीप बच्चों को देख-देख कितने हर्षित हो रहे हैं ।

[[5]] विशेष अभ्यास (Marks:-15)

➤➤ आज दिन भर आपके दीपक स्वरूप की रौशनी दिखाई दी ? अपनी जगी हुई सूरत से अपना परिचय दिया ?

[[6]] ज्ञान मंथन (वरदान) (Marks:-10)

>> तूफ़ान को तोहफा (गिफ्ट) समझ हर परिस्थिति को सहज क्रॉस करने के लिए हमें विशेष रूप से किन स्मृतियों को इमर्ज करना चाहिए ?

- \* याद रखो :- "प्रत्येक विघन तुम्हारा रास्ता साफ़ करेगा ... प्रत्येक विघन तुम्हें प्रतक्ष्य करेगा" ।
- \* स्वस्थिति यदि श्रेष्ठ है तो परिस्थितियाँ कुछ भी नहीं और स्वमान ही श्रेष्ठ स्थिति का आधार है ।
- \* दूरदर्शी बन ड्रामा के हर सीन के पीछे छिपे हुए कल्याण को देखें ।
- \* सच की नैया हिलेगी,डुलेगी पर डूबेगी कभी नहीं,इसलिए अपने आप पर,बाप पर,और ड्रामा पर अटल निश्चय हो।
- \* जितना महारथी बनते जायेंगे उतने माया के वार आएंगे,माया के वार आना अर्थात हम आगे बढ़ रहे हैं।
- \* बाबा की याद और साथ से तूफ़ान भी तोहफा बन जायेंगे।
- \* सर्व शक्तिमान बाप का वरदानी हाथ हमारे सर पर है,हम बाप की छत्र छाया के निचे सेफ हैं,कोई हमारा बाल भी बाका नहीं कर सकता।
- \* बाबा कहते हैं-"बच्चे तुम चिंता मत करो मैं बैठा हूँ।"

[[7]] ज्ञान मंथन (स्लोगन) (Marks:-10)

>> अल्बेलेपन को समाप्त करने के लिए स्वचिंतन में रहते हुए स्व की चेकिंग करना क्यों आवश्यक है ?

- \* स्व चिंतन हमें समय की कीमत का एहसास दिलाता है ।
- \* स्वचिन्तन से हम तीव्रता से अपनी कमियों को दूर करने की और अग्रसर होते हैं ।
- \* निरंतर स्व चिंतन करने से हमें निरंतर यह स्मृति रहती है की इस थोड़े से बचे हुए समय में हमें अपने 21 जन्मों के भाग्य का निर्माण करना है ।
- \* स्व चिंतन हमें तीव्र पुरुषार्थ की ओर ले जाता है ।
- \* लास्ट सो फास्ट और फ़ास्ट सो फर्स्ट का पुरुषार्थ करने के स्वचिन्तन अत्यंत आवश्यक है ।
- \* स्वचिंतन के बल से ही हम ज्ञान की गहराई में जाकर ज्ञान मोती चुग कर लाते हैं और ज्ञान का स्वरूप बन पाते हैं ।
- \* स्वचिन्तन ही हमें हर श्वास को सफल करने के लिए प्रेरित करता है ।

⊙\_⊙ आप सभी बाबा के प्यारे प्यारे बच्चों से अनुरोध है की रात्रि में सोने से पहले बाबा को आज की मुरली से मिले होमवर्क के हर पॉइंट के मार्क्स ज़रूर दें ।

ॐ शांति ॐ